

रणथम्भौर राष्ट्रीय उद्यान में बाघिन एयरोहेड को देख रोमांचित हुए राज्यपाल

वन वन्यजीवों के प्राकृतिक घर, इन्हें प्लास्टिक से गंदा नहीं करें— राज्यपाल श्री मिश्र

जयपुर, 14 मार्च। राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने सोमवार को रणथम्भौर राष्ट्रीय उद्यान का परिवार सहित भ्रमण किया। सफारी के दौरान रणथम्भौर के जोन नं. 2 में बाघिन एयरोहेड (टी-86) दिखी, तो राज्यपाल श्री मिश्र सहित सभी मेहमान रोमांचित हो उठे। उन्होंने सफारी के दौरान भालू, चीतल, सांभर सहित कई प्रजाति के वन्य जीव दिखने पर यहां की जैव विविधता की सराहना की।

राज्यपाल श्री मिश्र को वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने रणथम्भौर राष्ट्रीय उद्यान में पर्यटन, वन्य जीवों की स्थिति तथा उनकी देखभाल, वन्य जीवों की सुरक्षा के लिये किये जा रहे प्रयासों के सम्बंध में जानकारी दी।

राज्यपाल श्री मिश्र ने इस दौरान कहा कि वन वन्यजीवों के प्राकृतिक घर हैं, इसलिए वनों पर पहला अधिकार वन्यजीवों का है। उन्होंने कहा कि रणथम्भौर राष्ट्रीय उद्यान में पर्यटन गतिविधियों के संचालन में यहां के वन्य जीवों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए ध्यान रखा जाए कि वन्य जीवों के स्वतंत्र विचरण में बाधा नहीं पड़े। उन्होंने कहा कि यहां आने वाले पर्यटक वन्य जीवों के प्रति संवेदनशील रहें और वन क्षेत्र को प्लास्टिक, कचरे आदि से गन्दा नहीं करें।

राज्यपाल श्री मिश्र के साथ सफारी के दौरान प्रधान मुख्य वन संरक्षक डॉ. जी. एन. पांडेय, अतिरिक्त मुख्य वन संरक्षक एवं चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन श्री अरिन्दम तोमर, सवाई माधोपुर जिला कलक्टर श्री सुरेश कुमार ओला भी उपस्थित रहे।

त्रिनेत्र गणेश जी की पूजा अर्चना की

इससे पहले राज्यपाल ने जोगी महल जाकर त्रिनेत्र गणेश जी की विधिवत पूजा- अर्चना कर देश और प्रदेश की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। राज्यपाल को त्रिनेत्र गणेश मंदिर के मुख्य ट्रस्टी श्री संजय दाधीच ने जोगी महल में ही पूजा अर्चना करवाई और त्रिनेत्र गणेश जी की तस्वीर भी भेंट की। राज्यपाल ने जोगी महल के पास स्थित पद्म तालाब की खूबसूरती को भी निहारा।

इससे पहले वन विभाग के अधिकारियों ने राज्यपाल श्री कलराज मिश्र और उनकी पत्नी श्रीमती सत्यवती मिश्र का स्वागत कर उनकी अगवानी की।
